महायोगी गोरखनाथ विवि में 15 नए पाठ्यक्रमों को मंजूरी

कार्य परिषद ने लगाई मुहर, इसी सत्र से प्रवेश, ऑनलाइन होगी परीक्षा प्रणाली

अमर उजाला ब्यूरो

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय 15 नए रोजगार परक पाठ्यक्रमों की शुरूआत की गई है। इनमें इसी शैक्षिक सत्र से दाखिला दिया जाएगा। डिप्लोमा से लेकर मास्टरकी डिग्री तक के पाठ्यक्रम शुरू किए गए हैं।

महायोगी गोरखनाथ विवि आरोग्यधाम की कार्य परिषद की बैठक मंगलवार को कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी की अध्यक्षता में हुई। इसमें नए पाठ्यक्रमों को मंजूरी दी गई। इसे 2022-23 से लागू किया जाएगा। सभी सीटें संयुक्त प्रवेश परीक्षा से भरी जाएंगी।

अब पाठ्यक्रमों की संख्या बढ़कर 22 हो जाएगी। आयुर्वेद कॉलेज में बीएएमएस और नर्सिंग कॉलेज की पढ़ाई पहले से चल रही है। कुलसचिव डॉ. प्रदीप राव ने नर्सिंग, पैरामेडिकल, एग्रीकल्चर, एलॉयड हेल्थ साइंसेज, आयुर्वेद और फार्मेसी से संबंधित पाठ्यक्रमों की जानकारी दी। इसे कार्य परिषद ने अनुमोदित कर दिया।

इनकी रही मौजूदगी : बैठक में कार्य परिषद के सदस्य देवीपाटन शक्तिपीठ के महंत मिथिलेशनाथ योगी, रमा विश्वविद्यालय कानपुर के डीन एकेडमिक डॉ. हरिओम शरण, परीक्षा नियंत्रक आरके यादव, गोरखपुर विश्वविद्यालय की प्रो. शोभा गौड़, रामजन्म सिंह, प्रमथनाथ मिश्र, गुरु श्रीगोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस (आयुर्वेद कॉलेज) के प्राचार्य डॉ. पी सुरेश, गुरु श्रीगोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग की प्रधानाचार्या डॉ. डी अजीथा, प्रो. गणेश पाटिल, एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. प्रिंसी, असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. प्रज्ञा सिंह, डॉ. दीपू मनोहर आदि मौजूद रहें।

बैठक कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी की अध्यक्षता में हुई। संवाद

इन पाठ्यक्रमों में ले सकते हैं प्रवेश

नर्सिंग : दो वर्षीय एएनएम, तीन वर्षीय जीएनएम, चार वर्षीय बीएससी नर्सिंग, दो वर्षीय पोस्ट बेसिक बीएससी नर्सिंग, दो वर्षीय एमएससी नर्सिंग।

पैरामेडिकल : डिप्लोमा इन डायलिसिस, डिप्लोमा इन आप्टिमेट्री, डिप्लोमा इन इमरजेंसी एंड ट्रामा केयर, डिप्लोमा इन एनेस्थीसिया एंड क्रिटिकल केयर, डिप्लोमा इन आर्थोपेडिक एंड प्लास्टर टेक्नीशियन, डिप्लोमा इन लैब टेक्नीशियन (सभी दो वर्षीय)।

एग्रीकल्चर : चार वर्षीय बीएससी एग्रीकल्चर।

एलॉयड हेल्थ साइंसेज : बीएससी ऑनर्स बॉयोटेक्नालोजी, बीएससी आनर्स बॉयोकेमिस्ट्री, बीएससी आनर्स माइक्रोबॉयोलोजी (सभी तीन वर्षीय), दो वर्षीय एमएससी बॉयोटेक्नालोजी, तीन वर्षीय एमएससी मेडिकल बॉयोकेमिस्ट्री, तीन वर्षीय एमएससी मेडिकल माइक्रोबॉयोलोजी, दो वर्षीय एमएससी एनवायरमेंटल साइंस।

फार्मेसी (आयुर्वेद) : चार वर्षीय बी फार्मा, दो वर्षीय डी फार्मा।